Paper - II

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - II

Time : 2 Hours **(Pages 5)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (6)

1) i) उत्तर लिखिए । **1**

उस समय इस जाति की रेलगाड़ियाँ नहीं थीं –

ii) तब के रेलगाड़ियों की विशेषता **1**

(1) .... (2) ....

यह उन दिनों की बात है जब लोगों के चेहरे क्रीमपावडर से चिकने नहीं थे । जब होठों पर अंग्रेजी नहीं थी, जब पानी सुराहियों में आजाद हुआ करता था, रोता हुआ पाउचों में कैद नहीं । सुराही भी हौले - हौले प्यार से साथ चलती थी, पाउचों की तरह उसके प्रति ऐसा सलूक नहीं था कि काम खत्म और फेंक दो उसे खिड़की के बाहर ।

हाय ! वे दिन हवा हुए जब सादगी में स्वर्ग था !

तब रेलगाड़ियाँ भी सुपर, डीलक्स या राजधानी जाति की पैदा नहीं हुई थीं । वे जनता की थीं, जनता के लिए थीं । अभी हाल ही की बात है । एक सामान्य आदमी अपनी औरत के साथ प्लेटफॉर्म पर दौड़ा - दौड़ा आया और वहाँ जो गाड़ी खड़ी थी उसकी ओर लपका ।

''अरे अरे, यह क्या करते हो ! किधर घुसे जा रहे हो ! तुम सामान्य आदमी हो, मैं तुम - जैसे सामान्य आदमी के लिए नहीं हूँ ।'' गाड़ी उस आदमी से बोली । ''क्यों, क्यों नहीं हो तुम सामान्य आदमी की ?'' आदमी ने गाड़ी से सवाल किया । ''मैं सामान्य आदमी की इसलिए नहीं हूँ कि मेरा नाम राजधानी है ।''

इतना कह राजधानी चल पड़ी । सामान्य आदमी उसकी ओर देखता रह गया ।

2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए । **2**

i) नरक × ii) अंदर ×

iii) असामान्य × iv) जवाब ×

3) 'रेल यात्रा का आनंद' इस विषय पर 6 से 8 वाक्य लिखिए । **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

राष्ट्रीय एकता के विचार को प्रचारित करने का साधन है –

ii) **उचित पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।** **1**

(1) भारतीय संस्कृति में .... का अद्‌वितीय गुण पाया जाता है।

(क) समन्वय (ख) विरोध (ग) त्रुटियाँ

(2) हम यह सोचें कि हम .... के लिए क्या कर रहे हैं ?

(क) घर (ख) समाज (ग) देश

सरकार ने राष्ट्रीय एकता परिषद और ऐसे ही अन्य संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास करने के लिए की है । इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों व समाचारपत्रों द्‌वारा भी राष्ट्रीय एकता के विचार को प्रचारित करने का प्रयत्न किया जा रहा है, लेकिन अब, जब तक वास्तविक सांप्रदायिक तत्त्वों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता, जब तक देश के क्षेत्रीय राजनेता अपने क्षेत्रीय स्वार्थों के विचारों को तिलांजलि देकर पृथकता की भावना का अंतिम संस्कार नहीं करते, जब तक अलगाववादी तत्वों को कठोर दंड देकर उन्हें मिलने वाली विदेशी सहायता पूर्णत: नियंत्रित नहीं की जाती, तब तक राष्ट्रीय एकता देशवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है और यह तभी संभव है जब हम यह न सोचें कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है, अपितु यह सोचें कि हम देश के लिए क्या कर रहे हैं ।

किसी भी जाति, समुदाय या राष्ट्र के उन प्राचीन आदर्शों, आस्थाओं व विचारों का समूह संस्कृति कहलाता है, जो वर्तमान युग में भी प्रासंगिक है । इस दृष्टि से भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे महान और प्राचीनतम संस्कृति है, जिसकी आस्थाएँ प्राचीनकाल से समन्वय के मूल्यों पर आधारित रही हैं ।

2) निम्नलिखित शब्द से चार अर्थपूर्ण शब्द तैयार कीजिए । **2**

प्राचीनकाल -

(1) ....

(2) ....

(3) ....

(4) ....

3) **सांप्रदायिक सद्‌भावना पर 6 से 8 वाक्यों में प्रकाश डालिए ।** **2**

विभाग 2 - पद्य

10 अंक

प्र.2. (च) पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) i) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(1) **नदी लहरें उछालती है-**

(क) आकाश तक (ख) पहाड़ तक (ग) चाँद तक

(2) **नदी घात सहती है -**

(क) बीहड़ो के (ख) सूर्य के (ग) मनुष्य के

ii) **समझकर लिखिए ।** **1**

पद्‌यांश में नदी के मानवीकरण से संबंधित दो वाक्य-

(1) .... (2) ....

घाटियों से निकलती,
बीहड़ों से लड़ती,
जनहीन जंगलों से गुज़रती,
चाँद तक लहरें उछालती,
खिलती - खिलखिलाती,
सूर्य के घात सहती,
क्षीण रेखा - सी रह जाती,
धूप में चमकती,
छाँह में मुसकाती,
इठलाती - इतराती,
प्यास बुझाती,
तप्त गरमी से बचाती,

2) **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

i) वीहड़ → ☐

ii) क्षीण → ☐

3) **'गर्मी के मौसम में नदियों की स्थिति' पर 6 से 8 पंक्तियाँ लिखिए ।** **2**

प्र.2. **(छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।** **(5)**

1) i) उत्तर लिखिए। **2**

स्वतंत्रता दिवस का दृश्य -

(1) .... (2) ....

(3) .... (4) ....

डगर - डगर में है उजियाली,
जगर - मगर फैली दीवाली ।
चहल - पहल है, खेल - तमाशे,
चमक रही है मुख पर लाली ।
सूरज - चाँद उतर आए ज्यों,
उनको भी त्योहार भा गया !
नाचो, गाओ धूम मचाओ,
फिर प्यारा त्योहार आ गया ।

2) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

i) उतरना × ii) जाना ×

3) **'होली के त्योहार' पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए ।** **2**

विभाग 3 - व्याकरण

6 अंक

प्र.3. **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) **मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए ।** **1**

i) अश्वय, अवस्य, अवश्य

ii) मूरखता, मुर्खता, मूर्खता

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

काश

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

बच्चा सो गया था ।

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

दादा जी बाजार चले जाते हैं ।(सामान्य भूतकाल)

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(चैन न मिलना, खिलखिलाकर हँसना, लोट जाना)

जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, रमा <u>छुटकारा नहीं पा सकेगी</u> ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

घुल - मिल जाना -

विभाग 4 - रचना

<u>12अंक</u>

प्र.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**

पत्रलेखन

- पुस्तकों की माँग
- सुधाकर/सुमन पांडे
सुंदर भवन,
शनिवार पेठ,
पूना - 422020
- व्यवस्थापक,
सूरज पुस्तक भंडार
शास्त्री रोड
आगरा - 322001

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

1. Don’t cast a slur on great family
2. You should make the best of a bad bargain.
3. India is progressing by leaps and bounds.
4. A rotten sheep infects the whole flock.

3) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उसपर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो । **4**

विज्ञान के युद्धविषयक अस्त्र - शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है । परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन है । मनुष्य का विनाश करने वाली विषैली गैस भी विज्ञान द्वारा ही खोजी गई है । विज्ञान के ये अविष्कार, जो मनुष्य जाति, सभ्यता, एवं संस्कृति के विनाश का कारण बनते हैं,देश के लिए अभिशाप हैं । वास्तव में विज्ञान की सिद्धियाँ अद्भुत हैं, अभिशाप और वरदान हमारे प्रयोग के कारण से बनती हैं । यदि हम इनका प्रयोग अपने देश के लाभ,मनुष्यमात्र के कल्याण के लिए करें तो ये वरदान सिद्ध हो सकती हैं । चाकू या छुरी फल या सब्जी काटने के लिए बनाया गया है, लेकिन प्रयोग करने वाला यदि इसका प्रयोग किसी का गला काटने के लिए या मारने के लिए करे, तो इसमें छुरी - चाकू बनाने वाले का क्या दोष है ? अतएव हमें इन सभी वस्तुओं का अपने लाभ के लिए और मानव जाति के कल्याण के लिए प्रयोग करना चाहिए, जिसके लिए वास्तव में इनका अविष्कार किया गया है ।

Best Of Luck